नोट -

1. नवीन छात्रों की उच्चारण शुद्धि हेतु अमरकोष पढ़ाएँ (समयानुसार)।
2. वेदमन्त्रों की अक्षुण्ण परम्परा को बनाए रखने हेतु प्रत्येक छात्र का उच्चारण एवं स्वर शुद्ध हो इसका विशेष ध्यान रखते हुए छात्रों को उच्चारण स्थान इत्यादि से परिचित कराये।
3. नवीन छात्रों से उनका गोत्र, शाखा इत्यादि ज्ञात कर उसको स्वशाखाध्ययन कराने का प्रयत्न करें।
4. प्रत्येक वर्ष के पाठ्यक्रम का गुरुमुख से सम्पूर्ण अध्यापन एवं स्वाध्याय पूर्वक कण्ठस्थीकरण उसी वर्ष में पूर्ण करना अनिवार्य है।
5. छात्रों को परम्परागत सस्वर अध्ययन पद्धति से ही वेद अध्यापन कराना अनिवार्य है। जैसे -

   16 सन्था पद्धति

   अथवा

   10 पाठ

   10 वल्लि/दशावृत्ति/सन्था
6. प्रत्येक माह के अन्त में (पढाये गए विषयों की) मासिक परीक्षा कर छात्रों के कण्ठस्थीकरण, उच्चारण आदि की स्थिति का अवलोकन करें। यदि न्यूनता हो तो पूर्ण करें।
7. छात्रों की उच्चारण शुद्धि एवं ज्ञानवर्धन के लिए प्रतिदिन प्रातः एवं सायं सन्ध्या के पश्चात् विष्णुसहस्रनाम, महिषासुरमर्दिनी स्तोत्रम्, दक्षिणामूर्तिस्तोत्रम्, अन्नपूर्णास्तोत्रम्, भजगोविन्दम्, प्रज्ञाविवर्धनस्तोत्रम्, रामरक्षास्तोत्रम् इत्यादि स्तोत्रों का समयानुसार अभ्यास एवं पाठ करें, जिससे भारतीय परम्परा में श्रद्धा एवं उत्साह बना रहें।
8. गतवर्षों का पाठ्यक्रम छात्र को कण्ठस्थ है या नहीं ज्ञात करने हेतु परीक्षण (Assessment) किया जाएगा।
9. परीक्षक को विगत सभी वर्षों के पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछने का पूर्ण अधिकार होगा।
10. सस्वर वेदाध्ययन करने वालों की संख्या शनैः शनैः क्षीण हो रही है। अतः श्रद्धावान्, मेधावान् एवं दार्ढ्य बुद्धि वाले छात्रों की वेदाध्ययन में रुचि उत्पन्न करने हेतु आवश्यक प्रयत्न करना।

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
अथर्ववेद पैप्पलाद शाखा पाठ्यक्रम

<table>
<tr><th colspan="6">वेदभूषण प्रथमवर्ष (प्रथमा प्रथमवर्ष / कक्षा VI समकक्ष)</th></tr>
<tr><td colspan="6">प्रथम काण्ड, कंडिका 112, अनुवाक 22, मन्त्र संख्या 487
द्वितीय काण्ड, कंडिका 91, अनुवाक 18, मन्त्र संख्या 484
सन्ध्यावन्दन, अभिवादन, अग्निकार्य, माण्डूकीशिक्षा</td></tr>
<tr><th>क्रमांक</th><th>माह / पक्ष</th><th>पाठ्यक्रम बिन्दु</th><th>मन्त्र संख्या</th><th>अंक</th><th>अध्ययन-अध्यापन</th></tr>
<tr><td>1</td><td>प्रथम</td><td>शं नो देवी से मनोविदन पर्यन्त प्रथम काण्ड 1 से 4 अनुवाक, 1 से 20 कंडिका</td><td>85</td><td>7</td><td rowspan="7">प्रथम मास द्वितीया से प्रारम्भ होकर सप्तमी पर्यन्त गुरु छात्र को पढायेंगे।
गुरु दो बार मन्त्रार्ध को उच्चारण करेंगे छात्र चार बार पढेंगे।
नवमी से छात्रों को गुरु त्रयोदशी पर्यन्त स्वयं बैठकर सन्था करायेंगे।
तृतीय सप्ताह में छात्र कण्ठस्थ करेंगे और चतुर्थ सप्ताह में गुरु को कण्ठस्थ सुनायेंगे।
चतुर्थ सप्ताह से पूर्वपाठ की आवृत्ति चलेगी तत् पश्चात् नूतन पाठ पठाया जाएगा।
प्रथम वर्ष में जो पाठ पूर्ण नहीं होगा उसे द्वितीय वर्ष में पूरा कराना पडेगा।</td></tr>
<tr><td>2</td><td>द्वितीय</td><td>नाशन्नसन् से ममोभामित्रा पर्यन्त
प्रथम काण्ड 5 से 8 अनुवाक, 21 से 40 कंडिका</td><td>80</td><td>7</td></tr>
<tr><td>3</td><td>तृतीय</td><td>अग्नेभ्यावति से अभित्वामहमोज पर्यन्त
प्रथम काण्ड 9 से 12 अनुवाक, 41 से 60 कंडिका</td><td>82</td><td>7</td></tr>
<tr><td>4</td><td>चतुर्थ</td><td>यस्त्वा मृत्यु से संपश्यमाना पर्यन्त
प्रथम काण्ड 13 से 16 अनुवाक, 61 से 80 कंडिका</td><td>83</td><td>7</td></tr>
<tr><td>5</td><td>पञ्चम</td><td>यज्ञस्य चक्षु से उदेहि देवी पर्यन्त प्रथम काण्ड 17 से 20 अनुवाक 81 से 100 कंडिका</td><td>80</td><td>7</td></tr>
<tr><td>6</td><td>षष्ठ</td><td>त्रीणि पात्राणि से इमा उरू पर्यन्त प्रथम काण्ड 21 से 22 अनुवाक 101 से 112 कंडिका</td><td>77</td><td>7</td></tr>
<tr><td>7</td><td>सप्तम</td><td>अरसं प्राच्यं से इमा ना वमा पर्यन्त
द्वितीय काण्ड 1 से 4 अनुवाक 1 से 20 कंडिका</td><td>100</td><td>7</td></tr>
</table>

8	अष्टम	आनो अग्ने से इहेत देवी पर्यन्त द्वितीय काण्ड 5 से 8 अनुवाक 21 से 40 कंडिका	102	7	
9	नवम	उदसौ सूर्यो से यज्ञं यन्तं पर्यन्त द्वितीय काण्ड 9 से 12 अनुवाक 41 से 60 कंडिका	110	10	
10	दशम	येभिः पाशै से तूलिमुल्यर्जूनि पर्यन्त द्वितीय काण्ड 13 से 18 अनुवाक 61 से 91 कंडिका	172	5	
11		सन्ध्यावन्दन, अभिवादन, अग्निकार्य, माण्डूकीशिक्षा		15	
			971 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

अथर्ववेद पैप्पलाद शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण द्वितीयवर्ष (प्रथमा द्वितीयवर्ष / कक्षा VII समकक्ष)

तृतीय काण्ड, कंडिका 40, अनुवाक 8, मन्त्र संख्या 278
चतुर्थ काण्ड, कंडिका 40, अनुवाक 8, मन्त्र संख्या 300
पञ्चम काण्ड, कंडिका 40, अनुवाक 8, मन्त्र संख्या 355

क्रमांक	माह / पक्ष	पाठ्यक्रम बिन्दु	मन्त्र संख्या	अंक	अध्ययन-अध्यापन
1	प्रथम	आत्वागन् राष्ट्रं से यां त्वा वातो वरयदायार्द्र पर्यन्त तृतीय काण्ड 1 से 3 अनुवाक, 1 से 15 कंडिका	95	10	प्रथम मास द्वितीया से प्रारम्भ होकर सप्तमी पर्यन्त गुरु छात्र को पढायेंगे। गुरु दो बार मन्त्रार्ध को उच्चारण करेंगे छात्र चार बार पढ़ेंगे। नवमी से छात्रों को गुरु त्रयोदशी पर्यन्त स्वयं बैठकर सन्था करायेंगे। तृतीय सप्ताह में छात्र कण्ठस्थ करेंगे और चतुर्थ सप्ताह में गुरु को कण्ठस्थ सुनायेंगे। तत् पश्चात् नूतन पाठ पढाया जाएगा। द्वितीय वर्ष में जो पाठ सम्पूर्ण नहीं होगा उसे तृतीय वर्ष में ही समापन करना होगा। गोपथ ब्राह्मण के केवल कुछ ही अंश कण्ठस्थ करेंगे सम्पूर्ण नहीं।
2	द्वितीय	पैद्वसि पृत नायुः से यथा कलां यथा शर्फ पर्यन्त तृतीय काण्ड 4 से 6 अनुवाक, 16 से 30 कंडिका	96	10	
3	तृतीय	देवा मरुतः से ते जना त्यजनं पर्यन्त तृतीय काण्ड 7 से 8 अनुवाक, 31 से 40 कंडिका	95	10	
4	चतुर्थ	हिरण्यगर्भ से येनाचर दुशना चतुर्थ काण्ड 1 से 2 अनुवाक, 1 से 10 कंडिका	93	10	
5	पञ्चम	त्वया मन्यो सरथं से वाताज्जात अन्तरिक्ष पर्यन्त चतुर्थ काण्ड 3 से 5 अनुवाक, 12 से 25 कंडिका	90	10	
6	षष्ठ	कन्या वारवायति से शुनं वत्सानपाकरोमि पर्यन्त चतुर्थ काण्ड 6 से 8 अनुवाक, 26 से 46 कंडिका	90	10	
7	सप्तम	नमः पिशङ्ग बाह वै से इयं या मुसला हता पर्यन्त पञ्चम काण्ड 1 से 2 अनुवाक, 1 से 10 कंडिका	94	10	

8	अष्टम	अनुते मन्यतामग्नि से द्यौश्च नः पिता पर्यन्त पञ्चम काण्ड 3 से 4 अनुवाक, 11 से 21 कंडिका	90	10	
9	नवम	यौ हेमन्तं से पयस्वतिरोषधय पर्यन्त पञ्चम काण्ड 5 से 6 अनुवाक, 22 से 30 कंडिका	90	10	
10	दशम	अत्यासरत् प्रथमा से देवस्यत्वा पर्यन्त पञ्चम काण्ड 7 से 8 अनुवाक, 31 से 40 कंडिका	93	10	
		गोपथब्राह्मण सम्बन्धी साधारण ज्ञान			
		गोपथब्राह्मण प्रथम भाग प्रपाठक 1 से 20 कंडिका		15	
		गोपथब्राह्मण द्वितीय प्रपाठक 21 से 39 कंडिका		15	
			933 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

अथर्ववेद पैप्पलाद शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण तृतीयवर्ष (प्रथमा तृतीयवर्ष / कक्षा VIII समकक्ष)

षष्ठ काण्ड, कंडिका 23, अनुवाक 4, मन्त्र संख्या 237
सप्तम काण्ड, कंडिका 20, अनुवाक 4, मन्त्र संख्या 221
अष्टम काण्ड, कंडिका 20, अनुवाक 4, मन्त्र संख्या 230
नवम काण्ड, कंडिका 29, अनुवाक 4, मन्त्र संख्या 304

क्रमांक	माह / पक्ष	पाठ्यक्रम बिन्दु	मन्त्र संख्या	अंक	अध्ययन-अध्यापन
1	प्रथम	तदिदास से कर्कीसुभार्षभस्य षष्ठ काण्ड 1 से 2 अनुवाक, 1 से 10 कंडिका	103	10	प्रथम मास द्वितीया से प्रारम्भ होकर सप्तमी पर्यन्त गुरु छात्र को पढायेंगे। गुरु दो बार मन्त्रार्ध को उच्चारण करेंगे छात्र चार बार पढेंगे। नवमी से छात्रों को गुरु त्रयोदशी पर्यन्त स्वयं बैठकर सन्था करायेंगे। तृतीय सप्ताह में छात्र कण्ठस्थ करेंगे और चतुर्थ सप्ताह में गुरु को कण्ठस्थ सुनायेंगे। चतुर्थ सप्ताह से पूर्वपाठ की आवृत्ति चलेगी तत् पश्चात् नूतन पाठ पढाया जाएगा।
2	द्वितीय	ब्रह्म जज्ञानं से निर्णुदैनां पर्यन्त षष्ठ काण्ड 3 से 4 अनुवाक, 11 से 23 कंडिका	134	10	
3	तृतीय	सुपर्णस्त्वा से ऐतुदेव पर्यन्त सप्तम काण्ड 1 से 2 अनुवाक, 1 से 10 कंडिका	111	10	
4	चतुर्थ	ये पर्वताः से सगराय शत्रूहणे पर्यन्त सप्तम काण्ड 3 से 4 अनुवाक, 11 से 20 कंडिका	110	10	
5	पञ्चम	कथादिवे से यदश्विना ओषधि पर्यन्त अष्टम काण्ड 1 से 2 अनुवाक, 1 से 10 कंडिका	115	10	
6	षष्ठ	चतस्रस्ते से सूर्यो मा वर्चसो पर्यन्त अष्टम काण्ड 3 से 4 अनुवाक, 11 से 20 कंडिका	115	10	
7	सप्तम	उद्धर्वा अस्य से सहस्र बाहुः पर्यन्त नवम काण्ड 1 से 2 अनुवाक, 1 से 5 कंडिका	70	0	

8	अष्टम	इमां खनाम्योषधीं से जीवातवे न नवम काण्ड 2 से 3 अनुवाक, 6 से 10 कंडिका	70	10	
9	नवम	मातरिश्वा से तेऽवदन प्रथमा नवम काण्ड 3 से 4 अनुवाक, 11 से 15 कंडिका	70	10	
10	दशम	न तत्र धेनु से इमास्तपन्तु पर्यन्त नवम काण्ड 4 अनुवाक, 16 से 29 कंडिका	96	10	
11	एकादश	ॐ ब्रह्म चारिष्णं से सान्तपनारिंदर्घव अथ प्रजापतिसोमेन पर्यन्त गोपथब्राह्मण पूर्व भाग 2 प्रपाठक, 1 से 24 कंडिका		15	
12	द्वादश	ॐ दक्षिणा प्रवणा से अथ यस्य दीक्षितस्यर्त्तुमती पर्यन्त गोपथब्राह्मण पूर्व भाग 3 प्रपाठक, 1 से 23 कंडिका		15	
			992 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

अथर्ववेद पैप्पलाद शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण चतुर्थवर्ष (पूर्वमध्यमा प्रथमवर्ष / कक्षा IX समकक्ष)					
दशम काण्ड - कंडिका 16, अनुवाक 3, मन्त्र संख्या 163 एकादश काण्ड - कंडिका 16, अनुवाक 3, मन्त्र संख्या 148 द्वादश काण्ड - कंडिका 22, अनुवाक 4, मन्त्र संख्या 188 त्रयोदश काण्ड - कंडिका 9, अनुवाक 2, मन्त्र संख्या 65 चतुर्दश काण्ड - कंडिका 9, अनुवाक 2, मन्त्र संख्या 84 पञ्चदश काण्ड - कंडिका 23, अनुवाक 5, मन्त्र संख्या 117					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम	हा अम्ब तेजने से अगन्म देवा पर्यन्त दशम काण्ड 2 अनुवाक, 1 से 10 कंडिका	81	9	प्रथम मास द्वितीया से प्रारम्भ होकर सप्तमी पर्यन्त गुरु छात्र को पढायेंगे। गुरु दो बार मन्त्रार्ध को उच्चारण करेंगे छात्र चार बार पढेंगे। नवमी से छात्रों को गुरु त्रयोदशी पर्यन्त स्वयं बैठकर सन्था करायेंगे। तृतीय सप्ताह में छात्र कण्ठस्थ करेंगे और चतुर्थ सप्ताह में गुरु को कण्ठस्थ सुनायेंगे। चतुर्थ सप्ताह से पूर्वपाठ की आवृत्ति चलेगी तत् पश्चात् नूतन पाठ पढाया जाएगा।
2	द्वितीय	यो नः स्व यो से अहा रक्षित पर्यन्त दशम काण्ड 3 अनुवाक, 11 से 16 कंडिका	76	9	
3	तृतीय	वृषा तेऽहं वृषाण्य से सप्तैतं सप्त पर्यन्त एकादश काण्ड 2 अनुवाक, 1 से 10 कंडिका	76	9	
4	चतुर्थ	यत् कीनाशं से उर्द्ध त्रितो वै पर्यन्त एकादश काण्ड 3 अनुवाक, 11 से 16 कंडिका	70	9	
5	पञ्चम	अग्नि स्तकमान से रूपमेक पर्य पर्यन्त द्वादश काण्ड 1 से 2 अनुवाक, 1 से 10 कंडिका	80	9	
6	षष्ठ	पदे पदे कल्पयन्त से निक्षदर्भ सपत्नान् पर्यन्त द्वादश काण्ड 3 से 4 अनुवाक, 11 से 22 कंडिका	78	9	
7	सप्तम	अन्तर्हित मे से मरीचि रासीत् पर्यन्त त्रयोदश काण्ड 1 से 2 अनुवाक, 1 से 9 कंडिका	76	9	

8	अष्टम	एन्द्रो बाहूभ्या से अन्धं रात्रि तिष्ठ पर्यन्त चतुर्दश काण्ड 1 से 2 अनुवाक, 1 से 9 कंडिका	76	9	
9	नवम	सम्यन्दिग्भ्य से जीमूतस्येव पर्यन्त पन्द्रह काण्ड 1 से 2 अनुवाक, 1 से 10 कंडिका	76	9	
10	दशम	बृहस्पतिर्नः से वृषाक्षस्यासुरस्य पर्यन्त पन्द्रह काण्ड 3 से 5 अनुवाक, 11 से 23 कंडिका	76	9	
11	एकादश	ओं अयं वै से सप्त सुत्याः सप्त पाक प्रतिदिन गुरु छात्रों के पास बैठ कर पूर्व पाठ की आवृत्ति करावें। गोपथब्राह्मण 4 अनुवाक, 1 से 24 कंडिका गोपथब्राह्मण 5 अनुवाक, 1 से 25 कंडिका	76	10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			765 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
अथर्ववेद पैप्पलाद शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण पञ्चमवर्ष (पूर्वमध्यमा द्वितीयवर्ष / कक्षा X समकक्ष)					
षोडश काण्ड, कंडिका 155, अनुवाक 22, मन्त्र संख्या 1379					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम	अन्तकाय से इन्द्रस्य प्रथमो रथ पर्यन्त षोडश काण्ड 1 से 2 अनुवाक, 1 से 15 कंडिका	140	9	प्रथम मास द्वितीया से प्रारम्भ होकर सप्तमी पर्यन्त गुरु छात्र को पढायेंगे। गुरु दो बार मन्त्रार्ध को उच्चारण करेंगे छात्र चार बार पढेंगे। नवमी से छात्रों को गुरु त्रयोदशी पर्यन्त स्वयं बैठकर सन्था करायेंगे। तृतीय सप्ताह में छात्र कण्ठस्थ करेंगे और चतुर्थ सप्ताह में गुरु को कण्ठस्थ सुनायेंगे। चतुर्थ सप्ताह से पूर्वपाठ की आवृत्ति चलेगी तत् पश्चात् नूतन पाठ पढाया जाएगा।
2	द्वितीय	पैद्वस्य मन्महे से मृत्यु दूतामून्नयत षोडश काण्ड 3 से 4 अनुवाक, 16 से 30 कंडिका	137	9	
3	तृतीय	दिशश्चतस्रो से असपत्नः सपत्नहा पर्यन्त षोडश काण्ड 5 से 6 अनुवाक, 31 से 45 कंडिका	137	9	
4	चतुर्थ	का चासि क्षमा से प्रिया प्रियाणि पर्यन्त षोडश काण्ड 7 से 9 अनुवाक, 46 से 60 कंडिका	137	9	
5	पञ्चम	केन देवाङ् से बर्हिर्बिलं निर्द्रवतु पर्यन्त षोडश काण्ड 10 से 12 अनुवाक, 61 से 75 कंडिका	137	9	
6	षष्ठ	सपत्नहनमृषभं से पुमान् पुंसो अधि पर्यन्त षोडश काण्ड 13 से 14 अनुवाक, 76 से 90 कंडिका	137	9	
7	सप्तम	सहस्र पृष्ठः से मानो अश्वेषु पर्यन्त षोडश काण्ड 15 से 17 अनुवाक, 91 से 106 कंडिका	147	9	
8	अष्टम	नमस्ते जायमानायै से एते वै प्रियाश्चा पर्यन्त षोडश काण्ड 18 से 19 अनुवाक, 107 से 116 कंडिका	137	9	
9	नवम	स उपहूतः पृथिव्यां से यदर्वाचीनमेक पर्यन्त षोडश काण्ड 20 से 21 अनुवाक, 117 से 130 कंडिका	137	9	

10	दशम	विष्णोः क्रमोऽसि से पार्थिवा दिव्याः पर्यन्त षोडश काण्ड 22 अनुवाक, 131 से 155 कंडिका	137	9	
11	एकादश	अथ यत् ब्रह्म सदनात् से त्रयोदशं वा एतं पर्यन्त गोपथ ब्राह्मण उत्तरभाग 1 अनुवाक, 1 से 25 कंडिका		5	
12	द्वादश	ॐ मासीयन्ति वा से स वृतो यज्ञो वा गोपथ ब्राह्मण उत्तरभाग 2 अनुवाक, 1 से 25 कंडिका		5	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			1379 मन्त्र	100 अंक	